



2026:AHC:36529

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट - सी संख्या - **5367/2026**

मैकू लाल एवं अन्य याचीगण

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 2 अन्य विपक्षीगण

याची के अधिवक्ता: जलाज सिंह, रजनीश कुमार श्रीवास्तव

विपक्षी के अधिवक्ता: सी.एस.सी. (मुख्य स्थायी अधिवक्ता), शेर बहादुर सिंह

न्यायालय संख्या - 6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पांडेया

1. पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं को सुना गया तथा रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया।
2. यहाँ प्रस्तावित आदेश के आलोक में, विपक्षी को नोटिस जारी करने और इस याचिका को इस न्यायालय के समक्ष लंबित रखने का कोई उपयोगी उद्देश्य सिद्ध नहीं होगा। हालाँकि, यदि विपक्षी इस आदेश से व्यथित महसूस करते हैं, तो आदेश के संशोधन/परिवर्तन की मांग करने का उनका अधिकार सुरक्षित रखा गया है।
3. वतेमान याचिका में याची द्वारा मांगी गई मुख्य राहत अपर आयुक्त (न्यायिक-1)-द्वितीय, बरेली मंडल, बरेली को अपील संख्या 1028/2023 (कंप्यूटरीकृत केस संख्या C202312000001028) (मैकू लाल व अन्य बनाम शांति देवी व अन्य) को शीघ्रता से तय करने का निर्देश देना है।

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



4. मामला निचली अदालत के समक्ष काफी समय से लंबित है और काफी समय बीत चुका है, लेकिन आज तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।
5. मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में, वर्तमान याचिका को इस निर्देश के साथ निस्तारित किया जाता है कि अपर आयुक्त (न्यायिक-1)-द्वितीय, बरेली मंडल, बरेली उपरोक्त अपील को कानून के अनुसार सख्ती से, अत्यंत शीघ्रता से और अधिमानतः निचली अदालत के समक्ष आदेश की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने की तिथि से छह महीने की अवधि के भीतर तय करें, लेकिन बिना किसी कानूनी बाधा के अनावश्यक स्थगन न दिया जाए।

(प्रकाश पाडिया, जे.)

18 फरवरी, 2026

सकलेन

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"